अभ्यास पत्रक

पाठ: 3 - फूल और काँटा

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) एक ही पौधे पर पलने के बावजूद फूल और काँटे में क्या भिन्नता होती है?

(क) उनके रंग (ख) उनका आकार (ग) उनका स्वभाव (घ) उनका जीवनकाल

(ii) "दूसरा है सोहता सुर शीश पर।" - इस पंक्ति में 'सुर शीश' का क्या अर्थ है?

(क) असुरों का सिर (ख) देवताओं का सिर (ग) संगीत का सुर (घ) वीरों का सिर

(iii) कवि ने 'बड़प्पन की कसर' का क्या अर्थ बताया है?

(क) धन-दौलत की कमी (ख) सुंदरता की कमी

(ग) ऊँचे कुल की कमी (घ) श्रेष्ठता और अच्छे व्यवहार की कमी

(iv) कविता में फूल किसका प्रतीक है?

(क) घमंड और कठोरता (ख) स्वार्थ और पीड़ा

(ग) परोपकार और अच्छाई (घ) द्वेष और अहंकार

(v) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की किस काव्य-कृति को खड़ी बोली का पहला महाकाव्य माना जाता है?

(क) चंद्र-खिलौना (ख) खेल तमाशा (ग) प्रियप्रवास (घ) फूल और काँटा

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) फूल और काँटे को कौन पालता है?

उत्तर- .....

(ii) काँटा उँगलियों में क्या करता है?

उत्तर- .....

(iii) फूल अपने रंग और सुगंध से क्या करता है?

उत्तर- .....

(iv) कौन देवताओं के शीश पर शोभा पाता है?

egyanarchive

उत्तर- .....

(v) कवि के अनुसार क्या चीज व्यक्ति के काम नहीं आती यदि उसमें बड़प्पन न हो?

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) "हैं जनम लेते जगह में एक ही, एक ही पौधा उन्हें है पालता।" - इन पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- .....

.....

(ii) फूल और काँटे के व्यवहार में मुख्य अंतर क्या है?

उत्तर- .....

.....

(iii) कवि ने 'कुल की बड़ाई' को महत्व क्यों नहीं दिया है?

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) "फूल और काँटा" कविता का केंद्रीय भाव या मुख्य संदेश अपने शब्दों में लिखिए। कवि ने अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए क्या उदाहरण दिया है?

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 2)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (ग) उनका ढंग (स्वभाव)

(ii) (ख) देवताओं का सिर

(iii) (घ) श्रेष्ठता और अच्छे व्यवहार की कमी

(iv) (ग) परोपकार और अच्छाई

(v) (ग) प्रियप्रवास

2. एक वाक्य में उत्तर: (i) फूल और काँटे को एक ही पौधा पालता है।

(ii) काँटा उँगलियों को छेद देता है।

(iii) फूल अपने रंग और सुगंध से मन की कली को खिला देता है (अर्थात् मन को प्रसन्न कर देता है)।

(iv) फूल देवताओं के शीश पर शोभा पाता है।

(v) कवि के अनुसार यदि व्यक्ति में बड़प्पन न हो तो उसके कुल की बड़ाई काम नहीं आती।

3. संक्षिप्त उत्तर: (i) इन पंक्तियों का भाव है कि फूल और काँटे का जन्म एक ही स्थान पर होता है और एक ही पौधा उन दोनों का पालन-पोषण करता है। इसका अर्थ है कि दोनों को एक जैसे हालात और परवरिश मिलती है।

(ii) फूल और काँटे के व्यवहार में मुख्य अंतर यह है कि फूल सभी को सुख, प्रेम और आनंद देता है, जैसे तितलियों को गोद में लेना और भँवरों को रस पिलाना। इसके विपरीत, काँटा सभी को दुःख और कष्ट पहुँचाता है, जैसे उँगलियाँ छेदना और वस्त्र फाड़ना।

(iii) कवि ने 'कुल की बड़ाई' को महत्व इसलिए नहीं दिया है क्योंकि व्यक्ति का सम्मान उसके जन्म या कुल से नहीं, बल्कि उसके अपने कर्मों और व्यवहार से होता है। यदि व्यक्ति का स्वभाव अच्छा नहीं है तो उसका ऊँचे कुल में जन्म लेना व्यर्थ है।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर: (i) "फूल और काँटा" कविता का केंद्रीय भाव यह है कि मनुष्य की श्रेष्ठता उसके जन्म या कुल से नहीं, बल्कि उसके कर्मों और स्वभाव से होती है। व्यक्ति को मिलने वाली परवरिश और साधन भले ही एक जैसे हों, लेकिन उनके कर्म ही उन्हें समाज में सम्मान या अपमान का पात्र बनाते हैं। इस बात को स्पष्ट करने के लिए कवि ने फूल और काँटे का उदाहरण दिया है। वे बताते हैं कि फूल और काँटा दोनों एक ही पौधे पर जन्म लेते हैं, एक ही चाँद की चाँदनी, एक जैसी वर्षा और एक समान हवा पाकर पलते-बढ़ते हैं। इसके बावजूद, फूल अपने अच्छे व्यवहार से तितलियों को गोद में लेता है, भँवरों को रस पिलाता है और अपनी सुगंध से सबको प्रसन्न करता है, इसलिए उसे देवताओं के सिर पर चढ़ाया जाता है। वहीं दूसरी ओर, काँटा अपने बुरे स्वभाव के कारण सबकी उँगलियाँ छेदता है, कपड़े फाड़ता है और सबको कष्ट देता है, इसलिए वह सबकी आँखों में खटकता है। इस उदाहरण से कवि यह सिद्ध करते हैं कि अच्छे कर्म ही व्यक्ति को महान बनाते हैं, ऊँचा कुल नहीं।